दिल्ली की हवा: दिवाली के तीन दिन बाद भी PM2.5 में पटाखों की हिस्सेदारी, शुक्रवार को AQI गंभीर श्रेणी की आशंका

प्रकाशित: 12 नवंबर 2026 · pcsmantra.com



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

समाचार-संदर्भ: इंडियन एक्सप्रेस, 12 नवंबर 2026 (IITM-DSS, CPCB और CSE के आंकड़े)



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

दिवाली के तीन दिन बाद भी दिल्ली की हवा साफ नहीं हुई है। बुधवार को पटाखे शहर के PM2.5 प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों में बने रहे — उनका योगदान 7.4% रहा। यह पहली बार है कि इस पर्व-विशेष स्रोत को आधिकारिक वास्तविक-समय स्रोत-अनुमान (real-time source apportionment) में लगातार ट्रैक किया गया। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) के अनुमान के अनुसार शुक्रवार तक दिल्ली का AQI 'गंभीर' (Severe) श्रेणी में पहुंच सकता है।

ताज़ा अपडेट (13 नवंबर 2026): गुरुवार को दिल्ली का AQI 350 पर पहुंच गया (बुधवार को 313 था) और वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी रही; गुरुग्राम और नोएडा में क्रमशः 320 और 311 दर्ज हुआ। IITM के अनुमान के अनुसार दिवाली के चार दिन बाद भी पटाखों का योगदान दिल्ली के PM2.5 में लगभग 7 प्रतिशत बना रहा; बायोमास जलन और द्वितीयक कार्बनिक एयरोसॉल का योगदान लगभग-लगभग 25 प्रतिशत, वाहनों का लगभग 17 प्रतिशत और मिश्रित दहन (छोटे उद्योग, घरेलू जलन) का लगभग 11 प्रतिशत रहा। एक रिपोर्ट के अनुसार यह 2021 के बाद दिवाली-के-बाद की सबसे खराब हवा है।

AQI की ताज़ा स्थिति

- 24-घंटे का औसत AQI: रविवार 376 और सोमवार 344 (दोनों 'बहुत खराब'), मंगलवार 299 ('खराब'), बुधवार 313 ('बहुत खराब')।
- एनसीआर में गुरुग्राम 301 ('बहुत खराब') और नोएडा 291 ('खराब') रहा — आंकड़े केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के हैं।
- IITM के अनुमान के मुताबिक शुक्रवार सुबह 9 बजे तक PM2.5-चालित AQI लगभग 428 ('गंभीर') तक पहुंच सकता है।

मौसम क्यों बिगाड़ेगा हालात

- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के पूर्वानुमान के अनुसार शुक्रवार तक वेंटिलेशन सूचकांक तेज़ी से गिरेगा; मिश्रण गहराई (mixing depth) 2,000 मीटर से घटकर 1,400 मीटर रह जाएगी, जिससे प्रदूषक धरती के पास फँसेंगे।
- हवाएँ उत्तर-पश्चिम की 15 किमी/घंटा की रफ्तार से घटकर परिवर्तनशील 5-10 किमी/घंटा रह जाएँगी; दिशाहीन धीमी हवाओं से प्रदूषक तितर-बितर नहीं होंगे।
- पराली जलाने का योगदान IITM के डिसीजन सपोर्ट सिस्टम (DSS) के अनुसार गुरुवार को लगभग 20% तक बढ़ सकता है, फिर अगले दिनों में 11% पर आ जाएगा।

बुधवार का स्रोत-विभाजन (IITM)

- द्वितीयक कार्बनिक पदार्थ (secondary organic matter) 22.7%, घरेलू ठोस जैव-ईंधन 22.3%, वाहन 19.3%, द्वितीयक अकार्बनिक एयरोसॉल 11.9% (जिसमें नाइट्रेट 4.6%, अमोनिया 4.0%, सल्फेट 3.3%), मिश्रित दहन 10.6% और पटाखे 7.4%।
- पटाखों का योगदान दिवाली की रात (सोमवार, रात 1 बजे से सुबह 9 बजे) 71.1% और मंगलवार सुबह 29.8% तक पहुंचा था।

CSE का विश्लेषण: बेसलाइन पहले से ऊँची

- सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (CSE) के अनुसार दिवाली से पहले के सप्ताह PM2.5 का औसत 236 µg/m³ रहा — तीन वर्षों में सबसे अधिक; 2025 (120 µg/m³) की तुलना में 97% और 2024 (179 µg/m³) से 32% ज़्यादा।
- 1 नवंबर से GRAP के तहत लगे प्रतिबंधों (दिल्ली के बाहर पंजीकृत गैर-BS-VI वाहनों पर रोक, पार्किंग शुल्क वृद्धि, वर्क-फ्रॉम-होम सलाह) का सड़कों पर वाहनों की संख्या पर मामूली असर पड़ा: प्रतिबंधों के दौरान सप्ताह-दिवसों का औसत ट्रैवल टाइम